अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)2026-27

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं | अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	1 2 3 4	ख) कपड़ा ग) भारतीयों के समान दिखने के कारण घ) सुशीला नायर ने क) अपने दलील के प्रति शंका के घ) लंगोट के लिए प्रयोग होने वाले कपड़े को देखकर	1 1 1 1 1

	5		
2			1x5=5
	क ख ग घ ड़.	।।) 15 अगस्त की सुखद घटना ।) क्योंकि दीपक ही प्रकाश देता है और अपने गहराई से सबको प्रेरणा देता है ।\/) देश की आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था कमजोर है ।।।) उपमा ।।) देश स्वतंत्र हो गया है	1 1 1 1 1
3			1x 5=5
	1 2 3 4 5	क)आमों का झरना क) अफ्रो एशियाई ग)किसी अन्य के होने के कारण क)मैं यावज्जन में लोकसेवा करूंगा क)सोलह वर्ष की आयु में	1 1 1 1 1
4			1x5=5
	1 2 3	ख) जो बहरी गूंगी और आंधी हो ख) हंस कर राजा की हां में हां मिलाई जा“” हो क) राजा के आदेश को सहर्ष स्वीकार करें ख) असगर वजाहत	1 1 1 1 1

	4 5	ख)। तानाशाही और निरंकुश शासन व्यवस्था की।	
5		**प्रश्नों के उत्तर**	3,3,2,2
	क ख ग	**अख़बार वाली घटना से नेहरूजी के व्यक्तित्व में निहित दूसरों के प्रति उदारता व विनम्रता के भाव का पता चलता है| उनमें किसी प्रकार का अहंकार भाव नहीं था| वे सहनशील, मृदुभाषी त"" व्यवहारकुशल व्यक्ति थे| वे दूसरे व्यक्ति के अधिकार क्षेत्र को जानते थे तथा छोटे लोगों का भी ध्यान रखते थे| इसी कारण उन्होंने लेखक से अख़बार नहीं माँगा, बल्कि उनके पढ़ने का इंतज़ार किया और फिर अत्यंत विनम्रतापूर्वक अख़बार माँगा| उन्होंने स्वयं में कभी बड़े होने का अहंकार पैदा नहीं होने दिया| वे लेखक द्वारा जान-बूझकर लगाई जा रही देरी को सहते रहे|** **ख)** **'कुटज' हम सभी को उपदेश देता है कि विकट परिस्थितियों में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें धीरज रखना चाहिए और विकट परिस्थितियों में अपने परिश्रम और शक्ति से काम लेना चाहिए। यदि हम निरंतर प्रयास करते हैं, तो हम इन विकट परिस्थितियों को अपने आगे झुकने के लिए विवश कर देते हैं। विकट परिस्थितियों से गुजरने वाला व्यक्ति सोने के समान चमक कर निकलता है। जो विकट परिस्थितियों को झेल लेता है फिर उसे कोई गिरा नहीं सकता है।** . **'हर की पौड़ी' पर होने वाली गंगा जी की आरती का दृश्य अद्भुत होता है| गंगा स्नान के बाद आरती का दौर चलता है| शाम को एकदम सहस्त्र दीप जल उठते हैं| पंडितजी हाथ में अंगोछा लपेट- कर पंचमंजिली नीलांजलि पकड़ते हैं और आरती शुरू हो जाती है| पहले पुजारियों के भर्राए गले से समवेत स्वर उठता है - "जय गंगा माता"| घंटे-घड़ियाल की आवाज़ मनुष्य का ध्यान सांसारिकता से हटाकर आरती की ओर कर देती है| जलते दीपों से धरती और आकाश जगमगा उठते हैं| पूरे वातावरण में अगरु-चंदन की खुशबू की महक फैल जाती है| इस प्रकार आरती का दृश्य भव्य होता है** **लेखक के पिता की बद्री नारायण चौधरी" से मुलाकात मिर्जापुर के बाहर नगर में हुई थी| वहाँ आने के कुछ दिनों बाद लेखक को यह ज्ञात हुआ कि भारतेंदु हरिश्चंद्र के मित्र उपाध्याय बदरीनारायण यहाँ रहते हैं| तभी लेखक "" वहाँ बालकों की मंडली बनाई, जो प्रेमघन जी का घर जानते थे| डेढ़ मील का**	3 3

	घ	**सफर तय करने के बाद, वे पत्थर के बड़े मकान के पास पहुँचे। जहाँ ऊपर का बरामदा घनी लताओं से ढका था, बीच में खंभे और खुली जगह दिखाई पड़ती थी। उन्हीं बालकों में से एक लड़के ने उँगली से ऊपर की ओर इशारा किया। उन्हीं लताओं के बीच में एक मूर्ति खड़ी दिखाई दी। जिसके दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे तथा एक हाथ खंभे पर था। परंतु कुछ ही क्षणों में वह मूर्ति ओझल हो गई। इसी रूप में लेखक ने प्रेमघन जी की पहली झलक देखी थी।**	2 2
6			1×5=5
	1 2 3 4 5	ग) देश के बाहर से आए हुए व्यक्तियों का समूह क) धूल का बवंडर उठना है और लोगों के मुंह में धूल भर जाती है। क) मलयानल की क) राजा रतन सेन ख) कौशल्या राम के लिए	1 1 1 1 1
7		सप्रसंग व्याख्या	5×1=5
		प्रसंग कर्नेलिया का गीत कवि जयशंकर प्रसाद व्याख्या	1 3 2

		काव्य -सौन्दर्य अथवा यह दीप अकेला स्नेह भरा कवि सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय व्याख्या काव्य सौंदर्य	
8			3,3,2,2
	क	खाली कटोरों में वसंत का उतरना' का आशय है - घाट के किनारे बैठे भिखारियों के कटोरों में खुशियाँ भर आना अर्थात् जिस प्रकार वसंत के आने से चहुँ ओर प्राकृतिक सौंदर्य और खुशियाँ बिखर जाती हैं, उसी प्रकार बनारस में श्रद्धालुओं और पर्यटकों द्वारा मिले दान और भीख उनके कटोरों में पड़ने से उनके चेहरों पर वसं" जैसी खुशियाँ छलक उठती हैं| अत: कवि इसे 'खाली कटोरों में वसंत का उतरना' मानता है|	3
	ख	गीत' व्यक्ति की भावनाओं का परिचायक है, क्योंकि कवि हृदय की गहराइयों में उतरकर अच्छे गीत की रचना करता है और उसे गाकर समाज के सामने अपनी भावनाएँ प्रकट करता है, परंतु उसकी सार्थकता तभी है, जब वह समाज की भावनाओं को भी अभिव्यक्त करे| समाज ही उसे महत्ता प्रदान करता है| इस तरह 'मोती' भी व्यक्तिगत प्रयासों अर्थात् किसी गोताखोर के परिश्रम का फल है| वही उसे समुद्र की अतल गहराइयों से ढूँढ़कर लाता है और उसे सार्थक बनाता है| समाज ही उसे प्रमुखता देता है| वही उसका मूल्य बढ़ाता है| .	
	ग	अगहन मास में दिन छोटे और रातें लंबी होने लगती हैं| इस समय शीत ऋतु अपना प्रकोप दिखाने लगती है| ठंड की अधिकता के कारण लोग गर्म ऊनी कपड़ों का प्रयोग करना प्रारंभ कर देते हैं| नागमती अपने प्रिय के विरह में अत्यधिक दुखी है| उसका दुख भी ठंड की"तरह बढ़ता जा रहा है| उसकी विरह वेदना बत्ती की तरह, उसके शरीर-रूपी दीपक को जला रही है| उसका हृदय विरह से उसी प्रकार काँप रहा है, जैसे ठंड "" शरीर काँपता है| स्त्रियाँ श्रृंगार इत्यादि के बाद नवीन वस्त्र धारण कर रही हैं, जबकि नागमती का रूप-रंग उसके स्वामी के साथ ही चला गया है| उसका हृदय विरह की आग से जलकर राख हो रहा है| नागमती अपने व्यथा संदेश को भँवरे तथा काग के माध्यम से पति तक भेजती है| वह भँवरे तथा काग को संबोधित करती है कि जाकर मेरे स्वामी से कहना कि एक विरहिणी विरह की आग से जल गई है औए उसके धुएँ से हमारा शरीर काला हो गया है| देवसेना गुप्त साम्राज्य के युवराज स्कंदगुप्त से गोपनीय प्रेम करती है| वह"स्कंदगुप्त को विजया के प्रति आसक्त देखकर निराश हो जाती है| अपने भाई मालवराज बंधुवर्मा के हूणों के साथ युद्ध में मरने के कारण वह अकेली हो जाती है| इस	

	घ	निराशा के बीच देवसे“” स्कंदगुप्त का प्रणय निवेदन ठुकरा देती है तथा राष्ट्र-सेवा का व्रत लेती है| विजया द्वारा ठुकराया गया स्कंदगुप्त भी आजीवन अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा करता है| देवसेना अपने जीवन की संध्या में अतीत की स्मृति में आ जाती है, तो उसे संघर्षों से प्राप्त वेदनापूर्ण जीवन को देखकर घोर निराशा होती है| वह यह जानकर और अधिक निराश है कि उसकी हार निश्चित है| देवसेना की हार या निराशा उसके अकेलेपन में निहित है|	3 2
9		**अंतराल भाग -2 के आधार पर प्रश्नों के उत्तर**	3,2,2
	क	बिसनास की आयु छोटी थी और उसके छोटे भाई का जन्म हो गया| उस समय बिसनाथ की उम्र दूध पीने की थी| परंतु“भाई के आ जाने से वह दूध कटहा हो गया, क्योंकि अब उसे माँ का दूध नहीं मिल पाता था| उसका दूध कम हो गया| अब माँ के दूध पर छोटे भाई का कब्ज़ा हो गया तथा बिसनाथ के लिए गाय का बेस्वाद दूध रह गया था| यही बिसनाथ पर होने वाला अत्याचार था|	3

	ख	यह कथन नायकराम ने कहा था। इस कथन में निहित भाव इस प्रकार है कि सूरदास के जल रहे घर से उसके शत्रुओं को प्रसन्नता हो रही होगी। जगधर के पूछने पर की आज चूल्हा ठंडा नहीं किया था? इसके उत्तर में नायकराम ने यह उत्तर दिया था कि चूल्हा ठंडा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठंडा होता। नायकराम कहना चाहता है कि इस घटना से उसके शुत्रओं को प्रसन्न होने का अवसर मिल रहा है। लोगों ने यह सोचा कि सूरदास के चूल्हे में जो अंगारे बचे थे, उनकी हवा से शायद यह आग लगी थी। परन्तु सच यह नहीं था। भैरों ने सूरदास के झोपड़े में जान बूझकर आग लगाई थी। नायकराम जानता था कि आग चूल्हे की वजह से नहीं लगी है। किसी ने लगाई है।	2	
	ग	महीप रूप सिंह के बड़े भाई भूप सिंह और उसकी पहली पत्नी शैला का बेटा था| जब वह नौ वर्ष का था, तभी उसकी माँ शैला ने सूपिन नदी में कूदकर जान"दे दी थी| इस मौत के लिए अपने पिता को ज़िम्मेदार समझने वाले महीप ने इस घटना से मर्माहत होकर घर छोड़ दिया था| रूपसिंह के मुख से अपने माता-पिता से जुड़ी बातें सुनकर वह जान चुका था कि वह रूप सिंह का भतीजा है| पिता से"नाराज़ महीप फिर से घर लौटना नहीं चाहता था, इसीलिए उसने रूपसिंह को अपने विषय में कुछ भी बताना उचित नहीं समझा| वह अपनी वास्तविकता जाहिर नहीं करना चाहता था, इसलिए अपने विषय में पूछे जाने पर महीप टाल"देता था|	2	

10	क		1×5=5
		‘लाइव’ (Live) से अभिप्राय किसी घटना के घटना-स्थल से सीधे प्रसारण (सीधा टेलीकास्ट) से है।इसमें दर्शकों को टीवी या इंटरनेट के माध्यम से बिल्कुल उसी समय वह घटना दिखाई और सुनाई जाती है, जब वह वास्तव में घटित हो रही होती है। रेडियो समाचार की भाषा सरल, स्पष्ट, संक्षिप्त और आम बोलचाल की भाषा होनी चाहिए。 चूंकि रेडियो एक श्रव्य माध्यम है (जिसे केवल सुना जा सकता है), इसलिए इसकी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो श्रोता को पहली ही बार में आसानी से समझ में आ जाए。 एंकर बाइट किसी समाचार या रिपोर्ट की प्रमाणिकता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता को बढ़ाने का सबसे शक्तिशाली साधन है。 यह टेलीविजन और डिजिटल पत्रकारिता में खबर को केवल एकतरफा सूचना न रखकर, उसे वास्तविक घटना या प्रत्यक्षदर्शी के बयानों से जोड़ती है इंटरनेट (Internet) सर्वाधिक खर्चीला जनसंचार माध्यम है। डेडलाइन (Deadline) का अर्थ किसी कार्य को पूरा करने या जमा करने की अंतिम समय-सीमा (तिथि और समय) होती है	1 1 1 1
10(ख)			3, 2
		प्रिंट माध्यम, जैसे कि अखबार, पत्रिकाएँ और पुस्तकें, सूचना और ज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इसकी सबसे बड़ी खुबी यह है कि यह व्यापक रू” से उपलब्ध होता है और इसे कहीं भी पढ़ा जा सकता है। प्रिंट माध्यम से सूचना का“संग्रहण और पुनःपठन संभव होता है, जिससे ज्ञान को गहराई से समझा जा सकता है। इसके अलावा, प्रिंट माध्यम पर छपी सामग्री अधिक विश्वसनीय मानी जाती है क्योंकि इसे प्रकाशित करने से पहले अच्छी तरह से जांचा जाता है। यह माध्यम शिक्षा और जागरूकता फैलाने में भी सहायक होता है। हालांकि, प्रिंट माध्यम की कुछ कमियाँ भी हैं। सबसे पहली कमी यह है कि यह समय लेने वाला होता है क्योंकि समाचार या जानकारी तुरंत नहीं मिलती। इसके अलावा, प्रिंट सामग्री को अपडेट करना मुश्किल होता है, इसलिए यह ताजा खबरों	3 2

		के लिए उपयुक्त नहीं है। पर्यावर” पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी होता है क्योंकि इसके लिए पेड़ों की कटाई होती है। इसके अलावा, प्रिंट माध्यम की पहुँ” उन लोगों तक सीमित हो सकती है जो पढ़ने-लिखने में सक्षम हैं। इस प्रकार, प्रिंट माध्यम के अपने फायदे और नुकसान दोनों हैं, लेकिन यह आज भी सूचना के प्रसार का एक महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है। उल्टा पिरामिड शैली (Inverted Pyramid Style) पत्रकारिता और समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण या मुख्य जानकारी को लेख (खबर) की शुरुआत में और कम महत्वपूर्ण जानकारी को अंत में दिया जाता है। इसे 'उल्टा पिरामिड' इसलिए कहा जाता है क्योंकि पिरामिड का सबसे चौड़ा हिस्सा (सबसे भारी/महत्वपूर्ण भाग) ऊपर होता है और नुकीला हिस्सा नीचे (सबसे कम महत्वपूर्ण भाग)।	
10	ग	नेता शासन करता है, नीतियाँ बनाता है, और प्रशासनिक कार्यों का संचालन करता है। लेकिन नागरिक ही वे लोग हैं, जो इन नीतियों का पालन करते हैं और समाज को सही दिशा में ले जाते हैं। अगर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन होंगे, तो सबसे अच्छा नेता भी देश को प्रगति की ओर नहीं ले जा सकत(और अध्यापक अपने विवेक अनुसार करें) आज मोबाइल फोन सभी की जिंदगी का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मोबाइल ने हर क्षेत्र में क्रांति ला दी है। अपने विभिन्न इस्तेमालों के कारण मोबाइल फोन काफी प्रचलित हो चुका है। समाज का हर वर्ग अपनी-अपनी आवश्यकतानुसार इससे लाभ उठा रहा है। विद्यार्थी वर्ग भी इससे अछूता नहीं है। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय - हर स्तर के विद्यार्थी की पहली पसंद मोबाइल बन चुका है। आज विद्यार्थी मोबाइल पर इंटरनेट की मदद से कहीं भी बैठे वांछित सामग्री को डाउनलोड करके और उसका प्रिंट लेकर	5x1=5

		अपनी पढ़ाई को गति प्रदान कर रहा है । इसके अतिरिक्त देश-विदेश के विभिन्न कॉलेजों में प्रवेश प्रतियोगिताओं, परीक्षापरिणामों, नौकरी आदि से संबंधित भरपूर जानकारी वह इसी से एकत्रित करता है किंतु विद्यार्थियों का एक वर्ग ऐसा भी है जो इसका दुरुपयोग करता है। ऐसे विद्यार्थी आपस में घंटों बेकार में गप्पे हाँकने, ज़रूरत से ज़्यादा मैसेज भेजने, वीडियो गेम्ज़ खेलने, चित्र खींचने और नये-नये मोबाइल खरीदने और उनकी ही। बातें करते रहने में अपना समय बर्बाद करते हैं । अतः ऐसे विद्यार्थियों को इसकी उपादेयता समझनी चाहिए और इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए ।	
11		नैतिक शिक्षा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर	
11		क)सन 1965 के युद्ध में पाकिस्तान ने अपने अधिकांश आधुनिक टैंक अमेरिका से प्राप्त किए थे।अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैन्य समझौते के तहत दिए गए टैंकों में मुख्य रूप से पैटन (Patton) सीरीज के टैंक शामिल थे। ख)केंद्रीय असेंबली (Central Legislative Assembly) में बम 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने फेंका था ग)लंदन के 'इंडिया हाउस' में मदन लाल ढींगरा की मुलाकात प्रमुख रूप से विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) और श्यामजी कृष्ण वर्मा जैसे भारतीय क्रांतिकारियों से हुई घ)उत्तरा गीता के अनुसार, परमात्मा (ब्रह्म) ही इस जगत का एकमात्र कारण है。 यह संपूर्ण जगत उसी ब्रह्म से उत्पन्न होता है, उसी में स्थित रहता है"और अंत में उसी में लीन हो जाता है。जगत की उत्पत्ति के मुख्य क्रम और सिद्धांत का वर्णन निम्नलिखित है:ब्रह्म की इच्छा व माया: जगत की रचना में कोई भौतिक कारण नहीं, बल्कि परमात्मा की अपनी 'माया' (शक्ति) ही जगत की उत्पत्ति का आधार है。 ब्रह्म अपनी इच्छा से स्वयं को इस विविध रूपों वाले संसार के रूप में प्रकट करता है。अभिन्न निमित्तोपादान कारण: ब्रह्म ही इस जगत को बनाने वाला (निमित्त कारण) है और ब्रह्म ही वह सामग्री है जिससे यह बना है"(उपादान कारण)。 जैसे मकड़ी अपने ही शरीर से जाला निकालती है और फिर उसे"समेट लेती है, वैसे ही ब्रह्म स्वयं से इस संसार की रचना करता है。पंच महाभूत और त्रिगुण: उत्तरा गीता के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति का क्रम सांख्य दर्शन से जुड़ा है। ब्रह्" से माया का प्रादुर्भाव होता है	2x4=8